शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

06 सितम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 212
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: सीएम

नकली दवाओं का कारोबार करने वालों के खिलाफ की जाए कठोरतम कार्रवाई

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान निर्देश दिये कि जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश में नकली दवाइयों के निर्माण और बिक्री को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए जिलाधिकारियों, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि नकली दवाओं का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धराली आपदा से प्रभावित परिवारों की समस्याओं के समाधान तथा उनके पुनर्वास, राहत और आजीविका की व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि सचिव राजस्व की अध्यक्षता में गठित समिति अपनी रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करे। समिति की रिपोर्ट आने के बाद प्रदेश के अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों में भी व्यापक स्तर पर पुनर्वास और राहत कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में व्यापक स्तर पर स्वदेशी अभियान चलाने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि यह अभियान आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी खरीद में स्वदेशी उत्पादों और उपकरणों को प्राथमिकता दी जाए। सरकारी कार्यक्रमों और आयोजनों में स्थानीय उत्पादों के अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित किया जाए। जीएसटी स्लैब में हाल ही में हुए परिवर्तनों से स्वदेशी उत्पादों को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अग्निवीरों के लिए समुचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। इसके लिए पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में समय-समय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अपने दृष्टि पत्र में प्रदेश की जनता के समक्ष जो वायदे किये थे, उनको पूरा करने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनहित में लिये गये सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए और तेजी से कार्य किये जाएं। उन्होंने कहा कि जन भावनाओं और और जन आंकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार दृढ़ संकल्प होकर कार्य कर रही है।

बैठक में प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमान, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

नूर-ए-चश्म-प्रीतम

सियासत भी क्या चीज है दोस्तों! कौन कब किसका दोस्त बन जाएगा और कब कौन किसका दुश्मन इसको समझना किसी के लिए भी आसान नहीं होता है। खास बात यह है कि राजनीति में कभी कोई किसी का स्थाई दोस्त और दुश्मन नहीं होता। समय के साथ सियासी रिश्ते भी पल भर में बदल जाते हैं। चकराता विधायक प्रीतम सिंह जिनसे कांग्रेस के प्रभावी नेताओं ने बीते समय में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी छीन ली थी और उन्हें नेता विपक्ष के पद से भी बेदखल कर दिया था आज वही विधायक प्रीतम सिंह कांग्रेसियों के लिए कांग्रेस के सबसे बड़े नेता हो गए हैं। अगर किसी को इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है तो उन्हें कल पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के उस शपथ ग्रहण में पूर्व सीएम हरीश रावत के उसे संबोधन को जरूर सुनना चाहिए जिसमें वह प्रीतम सिंह की तारीफ एक अलग ही अंदाज में करते दिख रहे हैं। हरीश रावत कहते हैं कि प्रीतम ही अब कांग्रेस के वीवीवीआईपी है। नूर भी वही है और कांग्रेस के नूर-ए-चश्म भी वही हैं। वह अब हमारे दिलबर भी हैं और दिल जानी भी वही है। हरीश रावत कहते हैं कि अगर आप सभी की इजाजत हो तो ऐसे प्रीतम सिंह को मैं एक फूलों का गुलदस्ता पूरी कांग्रेस की ओर से भेंट कर उनका सम्मान करूं। बेहद ही अतीचारी हुए राजनीति के और कांग्रेस के गुरुतर माने जाने वाले हरीश रावत की इस प्रशंसा के अब कांग्रेसियों द्वारा कई मायने निकाले जा रहे हैं। इसका सबसे पहला कारण है उगते सूरज को सभी का सलाम करना। लेकिन राजनीति में नेता किसी की सफलता से खुश हो यह दस्तूर होता ही नहीं है वहां तो इसके उलट काम होता है। लेकिन पंचायत चुनाव में प्रीतम सिंह ने अपने जिस राजनीतिक कौशल का प्रमाण दिया है वह वाकई लाजवाब तो है ही। 12 में से 11 जिला पंचायतों में हार के बावजूद अकेले दून में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष जैसे दोनों पदों पर कब्जा करना वह भी भाजपा के वर्चस्व को चुनौती के चक्रव्यूह को तोड़कर, इसलिए यह उनकी उपलब्धि कम बड़ी नहीं है। उनका बेटा अभिषेक सिंह को भले ही भाजपा की आरक्षण नीति कुचक्र के कारण अध्यक्ष बनने से रोक पाई हो लेकिन न तो वह कांग्रेस को अध्यक्ष पद पर कब्जा करने और अभिषेक को उपाध्यक्ष बनने से रोकने में सफल नहीं हो सके है। कांग्रेस में इन दिनों 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर ही सारी राजनीतिक बिसात बिछाई जा रही है। पूर्व सीएम हरीश रावत जो अब खुद ही स्वयं के बूढ़ा हो जाने का प्रचार कर रहे हैं, उन्होंने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विजय पा ली हो, ऐसा भी नहीं है। भले ही अब वह सूबे के मुख्यमंत्री बन पाए न बन पाए, लेकिन सूबे की राजनीति पर अपनी मजबूत पकड़ जरूर बनाएं रखना चाहते हैं। एक तरफ कांग्रेस में दोबारा आने वाले डा. हरक सिंह इन दिनों अत्यंत ही आक्रमक तेवर वाली राजनीति कर रहे हैं। अब तक उनकी वापसी के विरोध की कमान संभालते रहे हरीश रावत अब उनकी भी तारीफ करने लगे हैं। भले ही प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल अपने पूरे दमखम के साथ कांग्रेस को मजबूती देने के काम में जुटे हो, लेकिन हरीश रावत जैसे पुराने नेता युवा पीढ़ी को स्वच्छ रूप से आगे बढ़ाने में विश्वास नहीं रखते हैं। कांग्रेस पिछले चुनावों में जिस तरह नीचे और नीचे जाती रही है, अब राहुल गांधी के नेतृत्व में उसके फिर आगे बढ़ने की संभावनाएं बन रही है। ऐसे में राज्य के नेता भी अपने-अपने लिए भविष्य सुनिश्चित करने में जुटे हैं। जबकि इसका लक्ष्य पार्टी का भविष्य सुनिश्चित करना होना चाहिए था। कांग्रेस के अंदर अगर किसी भी तरह की आंतरिक गुटबाजी हावी हुई तो वह कांग्रेस के लिए अच्छी नहीं हो सकती है।

सरकार जनजाति समाज के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध : मुख्यमंत्री

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में जनजाति कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में चयनित 15 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के साथ ही 15 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न विभागीय निर्माण योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि ये सभी परियोजनाएँ न केवल जनजातीय समाज की आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगी। मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी युवा शिक्षक नई पीढ़ी के समग्र विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज जनजातीय समाज के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में सबसे अहम फैसला भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आदिवासी समाज के समग्र विकास के लिए धरातल पर नए-नए कार्य किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने जनजातीय समाज के विकास के लिए दिए जाने वाला बजट को पहले के मुकाबले 3 गुना तक बढ़ाया दिया है। वहीं जनजातीय समाज के लिए एकलव्य मॉडल स्कूल, प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान, वन धन योजना, प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि "प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान" के अंतर्गत उत्तराखंड के 128 जनजातीय गांवों का चयन किया गया है। आज हमारे राज्य में 4 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कालसी, मेहरावना, बाजपुर व खटीमा में संचालित हो रहे हैं, जिसमें जनजातीय समुदाय के छात्रों को निशुल्क शिक्षा एवं हॉस्टल की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसी तरह सीमान्त जनपद पिथौरागढ में भोटिया तथा राजी जनजाति के शैक्षिक उन्नयन के लिये एकलव्य विद्यालय खोलने के लिए अभी हाल ही में केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार भी आदिवासी समाज के कल्याण के लिए अनेकों कार्य कर रही है। जहां एक ओर जनजातीय समाज के बच्चों को प्राइमरी स्तर से स्नातकोत्तर स्तर तक की कक्षाओं में छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वहीं, राज्य में 16 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का संचालन भी किया जा रहा है। इसके साथ ही, जनजाति समाज के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रदेश में तीन आईटीआई संस्थानों का संचालन किया जा रहा है। जनजाति समाज के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग की नि:शुल्क व्यवस्था के साथ ही छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, श्रीमती सविता कपूर, दलीप सिंह रावत, प्रमोद नैनवाल, अध्यक्ष जनजाति आयोग श्रीमती लीलावती राणा, सचिव समाज कल्याण श्रीधर बाबू अद्दांकी, निदेशक जनजाति कल्याण संजय टोलिया, निदेशक समाज कल्याण चंद्र सिंह धर्मशक्तू एवं विभागीय अधिकारी शामिल रहे।

मकान की खिड़की तोड़कर लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान की खिडकी तोडकर वहां से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशन नगर चौक निवासी रवि मल्होत्रा ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान में सारा सामान अस्त व्यस्त पडा था तथा वहां से पूजा घर से लक्ष्मी गणेश की पीतल की मूर्ति व अलमारी तोडकर वहां से दो गोल्ड की नोज रिंग, एक गोल्ड रिंग पांच जोडी पांजेब व 15 हजार रूपये नगद गायब थे। चोर उनके घर में खिडकी तोडकर घुसा था।

ट्रक खाई में गिरा, चालक की मौत एक घायल

हमारे संवाददाता

चमोली। सड़क दुर्घटना के चलते एक ट्रक के खाई में गिर जाने से जहां चालक की मौत हो गयी वही दूसरा व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ की टीम ने दोनो को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया जहां घायल की हालत चितांजनक बनी हुई है। मामला कर्णप्रयाग के कालकेश्वर का है। जानकारी के अनुसार यहाँ एक ट्रक अंनियंत्रित होकर गहरी खाई मं जा गिरा। ट्रक में चालक सहित दो लोग सवार थे। सूचना मिलते ही चौकी लंगासू पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में मिले दोनो लोगों को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित कर दिया है। वहीं घायल व्यक्ति का इलाज जारी है।

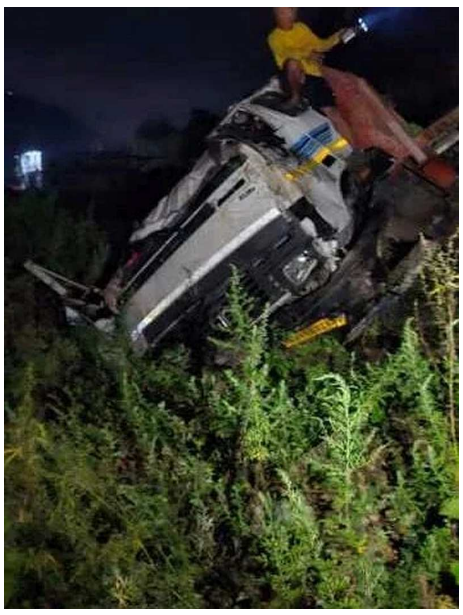

इंटक के पदाधिकारियों ने लेबर के शोषण पर जताया रोष

संवाददाता

देहरादून। इंटक के पदाधिकारियों ने ओप्टो इलेक्ट्रानिक फैक्ट्री के प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर लेबर के शोषण पर रोष व्यक्त किया।

आज यहां ऑटो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री रायपुर देहरादून में निजी कंपनी द्वारा कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों से अवैध वसूली एवं कर्मचारियों के शोषण के खिलाफ इंटक के पदाधिकारीयों ने ओप्टो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री रायपुर के प्रशासनिक अधिकारी अवधेश कुमार यादव से मुलाकात कर कॉन्ट्रैक्ट लेबर कर्मचारियों के शोषण के खिलाफ रोष जताया। कॉन्ट्रैक्ट लेबर कर्मचारीयों ने इंटक के पदाधिकारीयों से शिकायत की थी कि उनके साथ निजी कंपनी द्वारा अवैध रूप से 4 से 5 हजार रूपये प्रति महीना वसूला जा रहा है एवं कार्य क्षेत्र में भी उनके साथ निजी कंपनी के मैनेजर द्वारा दुर्व्यवहार एवं गाली गलौज की जाती है और विरोध करने पर नौकरी से निकलवाने एवं फर्जी मुकदमे

दर्ज करने की धमकी भी दी जाती है। इसके खिलाफ आज सुबह सभी कॉन्ट्रैक्ट लेबर कार्य बहिष्कार करने के इरादे से ओप्टो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री रायपुर देहरादून के मुख्य द्वार पर इकट्ठे हुए परंतु ओप्टो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री के अधिकारियों द्वारा भी उन्हें विरोध प्रकट करने से रोका गय। जैसे ही उत्तराखंड इंटक के पदाधिकारी वहां पहुंचे तब जाकर कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों का हौसला बड़ा तत्पश्चात इंटक के पदाधिकारीयों द्वारा सीनियर मैनेजर एवं प्रशासनिक अधिकारी अवधेश कुमार यादव से लंबी वार्ता के पश्चात उन्होंने अवैध वसूली कर रही निजी कंपनी को ब्लैकलिस्टेड करने एवं उचित कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाया और कहा कि जब तक नई कंपनी से कांट्रेक्ट नहीं हो जाता तब तक सीधे फैक्ट्री द्वारा कॉन्ट्रैक्ट लेबर के खाते में उनके द्वारा प्रतिमाह तनख्वाह दी जाएगी। तीन सदस्य प्रतिनिधि मंडल में उत्तराखंड इंटक के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार, सचिव देव सिंह पंवार एवं युवा इंटक प्रदेश अध्यक्ष पंकज क्षेत्री शामिल रहे।

क्या चीन कभी भारत का सगा हो सकता है?

हरिशंकर व्यास

गौर करें 2014 से 2025 के बीच अमेरिका, चीन, रूस से पाकिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव तक के भारत रिश्तों पर अपनी विदेश नीति का क्या अर्थ बना है? चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग को झूला झुलाने से लेकर नवाज शरीफ के घर जा कर पकौड़े खाने से अबकी बार ट्रंप सरकार के नारे का वह एक सिलसिला, जिससे दुनिया में सिर्फ यह साबित हुआ है कि भारत का कोई अर्थ नहीं है फिर भले भारत का विदेश मंत्रालय दुनिया के देशों से अपने प्रधानमंत्री को चाहे जितने राष्ट्रीय सम्मान दिलाए। भारत तो एक एक्सट्रीम से दूसरे एक्सट्रीम तक झूला झूलने की विदेश नीति में देश के रक्षा-सामरिक हितों तक का भी ध्यान नहीं रखता।

इसी मई में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, चीन और उसके सेनाधिकारी इस्लामाबाद में बैठ कर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर को गाइड करते हुए थे। भारत के खिलाफ पाकिस्तानी सेना को चीन लड़ाकू विमान और मिसाइल, सेटेलाइट बैकअप देता हुआ था। दुनिया ने तब देखा और जाना कि चीन और पाकिस्तान किस हद तक एक-दूसरे के सगे हैं। तब रूस भी पाकिस्तान का ही सगा था। भारत के लिए वह नहीं बोला। वह तटस्थ रहा। इसलिए क्योंकि यह अब वैश्विक सत्य है कि चीन उसका आज मालिक है। चीन के दम पर ही राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन से लड़ते हुए हैं।

ये सब बाते आज के स्थायी बेसिक सत्य है। और नरेंद्र मोदी का गॉडफादर किसे माना जा रहा था? डोनाल्ड ट्रंप को। आखिर उनके लिए अमेरिकी चुनाव के समय मोदी ने खुद सभा में नारा लगाया था अबकी बार ट्रंप सरकार। इतना ही नहीं ट्रंप को खुश करने के लिए भारत में उनका रियल एस्टेट कारोबार बनवाया। कहते है ट्रंप की कंपनियों ने बिना दमड़ी लगाए भारत में हजारों करोड़ रुपए कमाए। यह भी सत्य है कि अमेरिका का बाइडेन प्रशासन हो या ट्रंप प्रशासन उसने चीन की डोकलाम आक्रामकता तथा पाकिस्तानी हरकतों के आगे मोदी सरकार को भरपूर मदद व खुफिया जानकारियां दी हैं। शायद अभी भी मिल रही हैं। और मोदी सरकार सार्वजनिक तौर पर भले इनकार करे लेकिन मई में सीजफायर ट्रंप प्रशासन के कारण ही हुआ था!

पर मोदी और उनके सलाहकार डोवाल, जयशंकर ने तब भी माना होगा कि मानो ट्रंप भी ऐंवे ही हैं। सो, सीजफायर के बाद ट्रंप का आभार जताने के बजाय भारत ने उन्हें ठेंगा बताया। पाकिस्तान के जनरल मुनीर ने मौका लपका। और वे ट्रंप की गोद (चीन की सौ टका रजामंदी से) में बैठ गए। पाकिस्तान ने ट्रंप को शांति का नोबेल पुरस्कार देने की पैरवी की।

जबकि हिसाब से ट्रंप का मिजाज कैसा है, इसे प्रधानमंत्री मोदी व उनके सलाहकारों को गहराई से समझे होना चाहिए था। लेकिन भारत में जैसे सब ऐंवे है तो मोदी मुगालते में रहे कि ट्रंप क्या कर लेंगे। नतीजतन ट्रंप ने जब भारत को डेड इकोनॉमी घोषित कर टैरिफ लगाए तो मोदी-डोवाल-जयशंकर पर मानों पहाड़ टूट पडा! ध्यान रहे ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको, ब्रिटेन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया सभी पर टैरिफ लगाए हैं। सभी पर गाज गिरी है। चीन पर सर्वाधिक। लेकिन ये सभी देश किस तरह ट्रंप प्रशासन को हैंडल करते हुए हैं? जबकि भारत तुरंत एक छोर से दूसरे छोर तक उछलकूद करने वाली लंगूर कूटनीति में दूसरी दिशा में उछल गया! डोवाल दौड़े-दौड़े पहले रूस गए फिर चीन गए तो जयशंकर भी जा पहुंचे। पुतिन ने भारत यात्रा की घोषणा की वही चीन के विदेश मंत्री ने भारत आ कर प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोटोशूट किया। अब प्रधानमंत्री अगले महीने चीन जा कर शी जिनफिंग के साथ फिर झूला झूलेंगे। मतलब ट्रंप-मोदी भाई-भाई नहीं अब आगे शी जिन-मोदी भाई-भाई। लेकिन क्या चीन कभी भारत का सगा हो सकता है? क्या रूस के पुतिन अपने गॉडफादर राष्ट्रपति शी जिनफिंग की रणनीति से अलग पाकिस्तान के खिलाफ भारत के मददगार हो सकते हैं?

इस लंगूर कूटनीति से सबसे बड़ी बात चीन और रूस या अमेरिका, यूरोप व जापान, दक्षिण एशिया के पड़ोसियों में भारत का अर्थ क्या बना है या क्या बनता हुआ होगा! मेरा मानना है कि ये सभी देश भी सोचते होंगे ऐंवे ही भारत और ऐंवे ही भारत की विदेश, व्यापार व सामरिक नीति! तभी भारत की नियति चीन और पाकिस्तान के ही घेरे में बंधे रहने की है! (ये लेखक के अपने विचार हैं)

कृष्णा फल को डाइट में करें शामिल

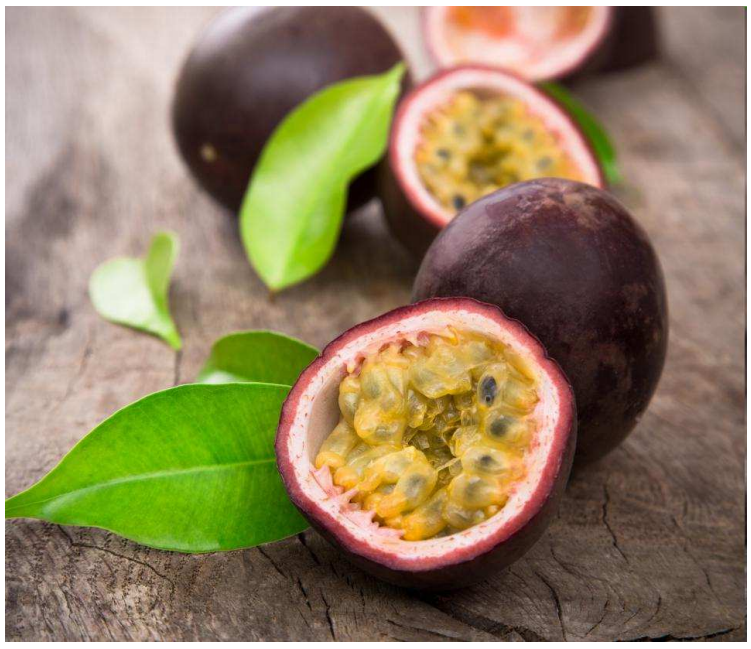

कृष्णा फल एक पौष्टिक फल है, जिसे भारत समेत दक्षिण अमेरिका, कैरिबियन, दक्षिण फ्लोरिडा, दक्षिण अफ्रीका और एशिया में उगाया जाता है। इस फल को वैज्ञानिक भाषा में पैसिफ्लोरा एडुलिस सिम्स के नाम से जाना जाता है। इस खट्टे-मीठे फल की बाहरी परत बैंगनी रंग की होती है, जबकि इसका गूदा पीले रंग का होता है। आइए जानते हैं कि कृष्णा फल को डाइट में शामिल करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य को सुधारने में है सहायक

अगर आप रोजाना एक कृष्णा फल का सेवन करते हैं तो यह खून में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है। बता दें कि खराब कोलेस्ट्रॉल का अधिक स्तर कई हृदय रोग का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, यह फल धमनियों के जमाव से भी बचाता है और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में सहायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती देने में है मददगार

विटामिन- ए, विटामिन- सी, मैग्नीशियम और पोटैशियम से भरपूर यह फल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में भी मदद कर सकता है। इसमें कैल्शियम, फाइबर, आयरन, कॉपर और फ्लेवोनोइड्स की अधिक मात्रा मौजूद होती है, जो इसे संक्रमण से लड़ने वाले ऊतकों और कोशिकाओं के उचित विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। इस वजह से कृष्णा फल को डाइट में शामिल करना अच्छा है।

एंग्जायटी का खतरा हो सकता है दूर

अगर कभी आप एंग्जायटी महसूस करते हैं तो कृष्णा फल का सेवन आपको इससे राहत दिलाने में मदद कर सकता है। मैग्नीशियम से भरपूर यह फल एंग्जायटी और तनाव जैसे मानसिक विकारों के जोखिम कम करने में काफी सहायक हो सकता है।

यह रसदार फल गामा-एमिनोब्यूट्रिक एसिड नामक रसायन के स्तर को बढ़ाता है। यह रसायन मस्तिष्क की गतिविधि को कम करता है और एंग्जायटी समेत तनाव के लक्षणों को धीरे-धीरे कम करता है।

ब्लड शुगर के स्तर को कर सकता है नियंत्रित

कृष्णा फल ग्लाइसेमिक इंडेक्स में कम और हाई फाइबर से भरपूर होता है, जो इसे मधुमेह वाले लोगों के लिए आदर्श बनाता है। इसमें मौजूद फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह पेक्टिन नामक खास तत्व से भरपूर होता है, जो फाइबर की तरह कार्य करके आपकी कैलोरी खपत को बढ़ाए बिना आपके पेट को भरा हुआ महसूस करवाता है।

कैंसर का खतरा कर सकता है कम

कृष्णा फल में एंटी-ऑक्सिडेंट्स की अच्छी-खासी मात्रा मौजूद होती है, जो शरीर के मुक्त कणों से लड़ने में मदद कर सकती है। ये मुक्त कण शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा, यह फल विटामिन- ए और फ्लेवोनॉयड्स से भी भरपूर होता है, जो कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद कर सकता है।

स्वास्थ्य के लिए बेहद असरदार है पालक

पालक में जो गुण पाए जाते हैं, वे सामान्यत: अन्य शाक-भाजी में नहीं होते। यही कारण है कि पालक स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है, सर्वसुलभ एवं सस्ता है। लौह तत्व मानव शरीर के लिए उपयोगी, महत्वपूर्ण, अनिवार्य होता है। लोहे के कारण ही शरीर के रक्त में स्थित रक्ताणुओं में रोग निरोधक क्षमता तथा रक्त में रक्तिमा (लालपन) आती है। लोहे की कमी के कारण ही रक्त में रक्ताणुओं की कमी होकर प्राय: पाण्डु रोग उत्पन्न हो जाता है।

लौह तत्व की कमी से जो रक्ताल्पता अथवा रक्त में स्थित रक्तकणों की न्यूनता होती है, उसका तात्कालिक प्रभाव मुख पर विशेषत: ओष्ठ, नासिका, कपोल, कर्ण एवं नेत्र पर पड़ता है, जिससे मुख की रक्तिमा एवं कांति विलुप्त हो जाती है। कालान्तर में संपूर्ण शरीर भी इस विकृति से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता।

लोहे की कमी से शक्ति ह्रास, शरीर निस्तेज होना, उत्साहहीनता, स्फूर्ति का अभाव, आलस्य, दुर्बलता, जठराग्नि की मंदता, अरुचि, यकृत आदि परेशानियां होती हैं।

पालक की शाक वायुकारक, शीतल, कफ बढ़ाने वाली, मल का भेदन करने वाली, गुरु (भारी) विष्टम्भी (मलावरोध करने वाली) मद, श्वास,पित्त, रक्त विकार एवं ज्वर को दूर करने वाली होती है।

आयुर्वेद के अनुसार पालक की भाजी सामान्यत: रुचिकर और शीघ्र पचने वाली होती है। इसके बीज मृदु, विरेचक एवं शीतल होते हैं। ये कठिनाई से आने वाली श्वास, यकृत की सूजन और पाण्डु रोग की निवृत्ति हेतु उपयोग में लाए जाते हैं।

गर्मी का नजला, सीने और फेफड़े की जलन में भी यह लाभप्रद है। यह पित्त की तेजी को शांत करती है, गर्मी की वजह से होने वाले पीलिया और खांसी में यह बहुत लाभदायक है।

रासायनिक विश्लेषण -

पालक की शाक में एक तरह का क्षार पाया जाता है, जो शोरे के समान होता है, इसके अतिरिक्त इसमें मांसल पदार्थ 3.5 प्रतिशत, चर्बी व मांस तत्वरहित पदार्थ 5.5 प्रतिशत पाए जाते हैं।

पालक में लोहा काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त इसमें पाए जाने वाले तत्वों में कैल्शियम, सोडियम, क्लोरीन, फास्फोरस, खनिज लवण, प्रोटीन, श्वेतसोर आदि मुख्य हैं।

स्त्रियों के लिए पालक का शाक अत्यंत उपयोगी है। महिलाएं यदि अपने मुख का नैसर्गिक सौंदर्य एवं रक्तिमा (लालिमा) बढ़ाना चाहती हैं, तो उन्हें नियमित रूप से पालक के रस का सेवन करना चाहिए।

विभिन्न रोगों में पालक का उपयोग - पालक की पत्तियों को बिना पानी डाले कुचलकर उसका रस निकालकर लगभग 100 मि.ली. पीने से पेट खूब साफ हो जाता है। इसे प्रात: 8 बजे पीना चाहिए।

आत्मविश्वासी बनने के लिए खुद से प्यार करना है जरूरी, अपनाएं ये 5 तरीके

बहुत लोग ऐसा सोचते हैं कि खुद से प्यार आपको स्वार्थी और अहंकारी बनाता है, लेकिन यह सच नहीं है। अपने आप से प्यार नहीं करना आपको अपनी इच्छाओं और सपनों के प्रति कम आत्मविश्वास और अयोग्य महसूस कराता है। वहीं जब आप खुद से प्यार करते हैं तो आप ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करते हैं जिससे सपनों को पूरा करने में मदद मिलती है। आइए आज आत्मविश्वासी बनने के लिए खुद से प्यार करने के पांच टिप्स जानते हैं।

अपने शरीर का ख्याल रखें : आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों एक-दूसरे से बहुत जुड़े होते हैं। जब तक आप स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली धूम्रपान और शराब का सेवन जैसी आदतें नहीं छोड़ेंगे, तब तक आप आत्मविश्वास महसूस नहीं कर पाएंगे। इसके लिए आपको एक स्वस्थ आहार खाने, रोजाना एक्सरसाइज करने, योग का अभ्यास करने और पर्याप्त नींद लेने जैसे तरीके आजमाने चाहिए।

दूसरों से अपनी तुलना करना बंद करें : दूसरों के साथ खुद की तुलना करना एक स्वाभाविक व्यवहार है और इससे बचना आसान नहीं है। जब आप अपनी तुलना दूसरों से करते हैं तो आपको अपने खुद के विचार और सोच को महसूस करने में दिक्कत होती है। इसी वजह से आपको जब लगे कि आप अपनी तुलना दूसरों से कर रहे हैं तो खुद को वहीं रोक दें क्योंकि यह आपके आत्मविश्वास के लिए हानिकारक है।

माफ करना सीखें और खुद से नरम स्वभाव रखें : अगर आप हमेशा अपनी पुरानी गलतियों पर पछताते रहते हैं तो इससे आपका आत्मविश्वास कम हो जाता है। जब आपको लगता है कि आपने कोई गलती की है या किसी काम को करने में असफल हो गए हैं तो ऐसे में अपने आप से दया का व्यवहार रखें। अपनी पिछली गलतियों के लिए खुद को माफ करना सीखें। इसकी मदद से आप भावनात्मक रूप से ज्यादा नरम रह सकते हैं और चुनौतीपूर्ण भावनाओं को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

खुद से सकारात्मक बातें करें : हमारी अधिकांश जिंदगी इस बात पर निर्भर करती है कि हम खुद के बारे में क्या सोचते हैं। अगर आप हमेशा नकारात्मक सोचेंगे और बातें करेंगे तो आपको लगेगा कि आप ये काम नहीं कर सकते हैं क्योंकि यह बहुत मुश्किल है। इसके लिए फिर आप कोशिश भी नहीं करते हैं। वहीं खुद से सकारात्मक बातें करने से आपके मन से संदेह दूर होते हैं और नई चुनौतियों का सामना करने में आपको मदद मिलती है।

अपने आसपास सकारात्मक लोगों को रखें : अगर आप अपना ज्यादातर समय सकारात्मक लोगों के साथ बिताएंगे तो यह खुद की देखभाल करने वाली सभी गतिविधियों में से सबसे अच्छी होगी। उन लोगों से दूर रहें जो आमतौर पर आपकी आलोचना करते हैं या नकारात्मक सोचते हैं। जिन लोगों के साथ आप ज्यादा समय बिताते हैं, उनके बारे में आपके विचार आपको प्रभावित करते हैं, इसलिए ऐसे लोगों के साथ रहें जो आपकी परवाह करते हैं और आपके लिए अच्छा सोचते हैं।

बच्चे की अकैडमिक परफॉर्मेंस सुधारने का सबसे आसान तरीका

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा अकैडमिक्स में अच्छा परफॉर्म करें तो इस इच्छा को पूरा करने की चाबी आपके पास है। पिछले दिनों हुई एक स्टडी में यह बात सामने आई है कि जिन बच्चों के पैरंट्स उनकी स्कूल लाइफ में इंट्रस्ट लेते हैं, उन बच्चों के रिपोर्टकार्ड में बहुत तेजी से सुधार होता चला जाता है। साथ ही अकैडमिक्स से जुड़े हर प्लेटफॉर्म पर ये बच्चे उन बच्चों की तुलना में अच्छा परफॉर्म कर पाते हैं, जिनके पैरंट्स उनकी स्कूल लाइफ में इंट्रस्ट नहीं लेते हैं। जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज में पब्लिश हुई एक रिपोर्ट के अनुसार, आमतौर पर यह देखने को मिलता है कि जो बच्चे कमजोर इकॉनमिक और सोशल बैकग्राउंड से आते हैं, वे अपने उन क्लासमेट्स की तुलना में परफॉर्मेंस के लिहाज से पिछड़ जाते हैं, जो मजबूत आर्थिक और सामाजिक स्थितिवाले परिवारों से आते हैं। लेकिन इस स्थिति को बदला जा सकता है।

आपने भी नोटिस किया होगा कि जो बच्चे कमजोर इकनॉमिकल बैकग्राउंड से आते हैं वे बमुश्किल ग्रेजुएशन तक अपनी पढ़ाई पूरी कर पाते हैं और उनके ऊपर तुरंत से पैसे कमाने की जिम्मेदारी आ जाती है। ऐसे में वे अपने हायर इकॉनमिक बैकग्राउंड वाले क्लासमेट्स से अपनी फील्ड में पिछड़ जाते हैं। इससे फिर एक बार वही आर्थिक पिछड़ेपन का चक्र शुरू हो जाता है, जो ये बच्चे फेस कर चुके हैं। मतलब, एजुकेशन कम होने के कारण ये बच्चे हायर पोस्ट या अच्छी अपॉर्च्युनिटी को कैश नहीं कर पाएंगे और कम पैकेज वाली जॉब करेंगे। जबकि अच्छे आर्थिक बैकग्राउंड वाले इनके क्लासमेट अच्छी क्वालिफिकेशन के बाद हाई पैकेज वाली जॉब्स करेंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

छात्रों के लिए जरूरी है बजट बनाना, जानिए कैसे करें

छात्रों के लिए बजट बनाना एक अहम कदम है। इससे न केवल वे अपनी पैसे की स्थिति को समझ पाते हैं, बल्कि भविष्य के लिए भी सही योजना बना सकते हैं। बजट बनाने से छात्रों को अपनी आय और खर्चों का सही अंदाजा होता है और वे अनावश्यक खर्चों से बच सकते हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि कैसे छात्र आसानी से एक बजट बना सकते हैं और उसे कैसे बनाए रख सकते हैं।

सभी आय और खर्चों को लिखें

सबसे पहले, छात्रों को अपनी सभी आय और खर्चों को एक जगह पर लिखना चाहिए। इसमें वेतन, छात्रवृत्ति, निजी खर्च आदि शामिल होने चाहिए। इसके अलावा नियमित खर्च जैसे कि किताबें, स्टेशनरी, खाना और रहने का खर्च भी नोट करें। इससे उन्हें पता चलेगा कि उनकी कुल आय कितनी है और वे कितने पैसे खर्च कर रहे हैं। इससे वे अनावश्यक खर्चों को पहचानकर उन्हें कम करने की कोशिश कर सकते हैं।

प्राथमिकता तय करें

एक बार सभी खर्च लिख लेने के बाद, छात्रों को यह तय करना चाहिए कि कौन से खर्च जरूरी हैं और कौन से खर्च कम किए जा सकते हैं। जरूरी खर्चों में किताबें, स्टेशनरी, खाना और रहने का खर्च शामिल होना चाहिए। इसके अलावा छात्रों को यह भी देखना चाहिए कि कौन से खर्च कम किए जा सकते हैं और कौन से खर्चों को टाला जा सकता है। इससे उन्हें अपनी पैसे की स्थिति का सही अंदाजा होगा।

बचत करना न भूलें

बजट बनाने का मतलब सिर्फ खर्चों को कम करना नहीं होता, बल्कि बचत करना भी अहम है। छात्रों को अपनी आय का एक हिस्सा बचत के लिए अलग रखना चाहिए। इससे वे आपातकालीन स्थिति में तैयार रहेंगे और भविष्य में बड़े खर्चों के लिए पैसे इकट्ठा कर सकेंगे। बचत करने से छात्रों को आर्थिक सुरक्षा मिलती है और वे बिना किसी तनाव के अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं।

खर्चों पर नजर रखें

बजट बनाने के बाद, छात्रों को अपने खर्चों पर नजर रखना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए वे एक डायरी या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसमें वे रोजाना अपने सभी खर्चों को दर्ज करें। इससे उन्हें पता चलेगा कि वे कहां ज्यादा खर्च कर रहे हैं और कहां बचत कर सकते हैं। नियमित रूप से खर्चों की समीक्षा करने से छात्र अपने बजट पर नियंत्रण रख सकते हैं और अनावश्यक खर्चों को कम कर सकते हैं।

लचीलापन रखें

बजट बनाते समय लचीलापन रखना भी जरूरी होता है क्योंकि कभी-कभी अप्रत्याशित खर्च आ जाते हैं, जिनकी हमने योजना नहीं बनाई होती। इसलिए बजट में थोड़ा लचीलापन रखना चाहिए ताकि अचानक आने वाले खर्चों को आसानी से संभाला जा सके। उदाहरण के लिए अगर किसी महीने में किताबों का खर्च ज्यादा आ गया तो उसे अगले महीने के बजट से एडजस्ट किया जा सकता है। इससे छात्रों को पैसे की चिंता नहीं होगी।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -78

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

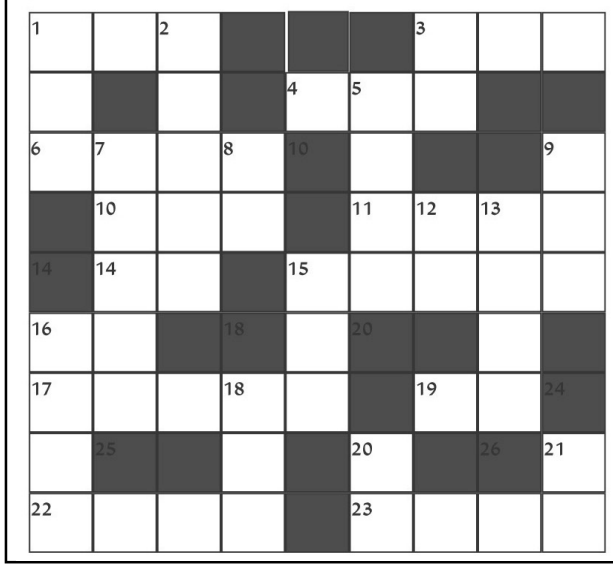

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 77 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

मन्नू क्या करेगा का नया गाना रिलीज, हमनवा में दिखा ललित पंडित का जादू

फिल्म मन्नू क्या करेगा' के पहले गाने हमनवा' को निर्माताओं ने जारी कर दिया है। इस खूबसूरत रोमांटिक गाने को मशहूर संगीतकार ललित पंडित ने कंपोज किया है। गायक वरुण जैन की आवाज में यह गाना हिंदी सिनेमा के सुनहरे दौर की याद दिलाता है। ललित पंडित ने तुझे देखा तो ये जाना सनम', पहला नशा' और कुछ कुछ होता है' जैसे सदाबहार गाने दिए हैं। हमनवा' में नए कलाकार व्योम और साची बिंद्रा की शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है। यह गाना देहरादून की हरी-भरी वादियों और खूबसूरत प्राकृतिक नजारों के बीच फिल्माया गया है, जो इसे और भी आकर्षक बनाता है। निर्माता शरद मेहरा और क्यूरियस आईज सिनेमा ने इस गाने को इंस्टाग्राम पर लॉन्च करते हुए लिखा, प्यार को शब्दों की जरूरत नहीं, बस एक धुन काफी है। हमनवा' आपके दिल का नया गीत है। फिर से प्यार में पड़ने वाला गीत। मन्नू क्या करेगा' का निर्देशन संजय त्रिपाठी ने किया है और इसमें विनय पाठक, कुमुद मिश्रा और चारु शंकर जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हिमालय की खूबसूरत पृष्ठभूमि में बनी इस फिल्म में उत्तराखंड के मनमोहक स्थलों को दिखाया गया है। नई म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म मन्नू क्या करेगा का फर्स्ट पोस्टर 28 जुलाई को और टीजर 30 जुलाई को रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म के कुछ गानों के बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म निर्माता शरद मेहरा ने बताया कि यह फिल्म युवाओं के प्यार का जश्न है। इसमें यह दिखाया गया है कि लोग अपने प्यार में गलतियां करते हैं, लेकिन उन्हें एक दूसरा मौका भी मिलता है। यह कहानी उन कोशिशों के बारे में है जो किसी खास इंसान के लिए की जाती है।

अक्षय कुमार की फिल्म हैवान में श्रिया पिलगांवकर की एंट्री

अक्षय कुमार और सैफ अली खान ने लगभग 17 साल बाद एक रोमांचक थ्रिलर फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसके निर्देशन की कमान भूल भुलैया और हेरा फेरी के निर्देशक प्रियदर्शन को सौंपी गई है। इस फिल्म का नाम है हैवान। फिल्म की शूटिंग कोच्चि में शुरू हो चुकी है। अब हैवान में श्रिया पिलगांवकर की एंट्री हो चुकी है। वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आएंगी। आइए जानें क्या जानकारी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, हैवान की स्टार कास्ट में अब श्रिया शामिल हो चुकी हैं। वह जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। श्रिया इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह पहला मौका है, जब श्रिया, अक्षय और सैफ के साथ काम कर रही हैं। तीनों की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं। फिल्म हैवान अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। हैवान साल 2016 की आई मलयालम थ्रिलर फिल्म ओप्पम की रीमेक है, जिसमें मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में अक्षय और सैफ के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिलेगी। अक्षय और सैफ ने हिंदी सिनेमा को कई हिट फिल्में दी हैं, जिनमें कल्ट क्लासिक मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी (1994), ये दिल्लगी (1994), तू चोर मैं सिपाही (1996) और कीमत (1998) शामिल हैं। दोनों को आखिरी बार साल 2008 में आई फिल्म टशन में साथ देखा गया था।

पवन कल्याण की फिल्म ओजी का दूसरा गाना सुवी सुवी रिलीज

अपने पहले सिंगल से धमाल मचाने के बाद, ओजी अब अपने दूसरे गाने सुवी सुवी के साथ एक बिल्कुल अलग माहौल पेश कर रहा है, जिसे ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यह गाना पहले ही दुनिया भर के श्रोताओं के दिलों पर छा चुका है और थमन के शानदार संगीत सफ़र में अगले चार्टबस्टर के रूप में सराहा जा रहा है। एस थमन द्वारा रचित, श्रुति रंजनी के भावपूर्ण स्वरों और कल्याण चक्रवर्ती टिपिरनेनी के लिखे गीतों के साथ, सुवी सुवी एक मधुर प्रेम धुन के रूप में सामने आता है। इस गीत में एक भावपूर्ण गहराई है जो तुरंत जुड़ जाती है, और यह साबित करता है कि थमन आज भी धुनों और प्रेम गीतों के उस्ताद क्यों हैं। गाने के दृश्यों में प्रियंका अरुल मोहन और पवन कल्याण के बीच की शानदार केमिस्ट्री साफ़ दिखाई दे रही है, और यह जोड़ी पर्दे पर ताज़ा और आकर्षक लग रही है। कनमनी के रूप में प्रियंका, पवन कल्याण के रहस्यमयी गंभीरा के किरदार को संतुलित करने के लिए गर्मजोशी और शान लाती हैं, जिससे उनका यह मेल ओजी के मुख्य आकर्षणों में से एक बन गया है। सुवी सुवी में उनकी एक साथ मौजूदगी ने प्रशंसकों को खुश कर दिया है, जिससे फिल्म में उनके आन-स्क्रीन रिश्ते को लेकर काफ़ी उम्मीदें बढ़ गई हैं। सुजीत द्वारा निर्देशित और प्रतिष्ठित डीवीवी एंटरटेनमेंट बैनर तले डीवीवी दानय्या और कल्याण दासारी द्वारा निर्मित, ओजी में इमरान हाशमी, प्रकाश राज और श्रीया रेड्डी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। थमन द्वारा संगीत, रवि के चंद्रन आईएससी और मनोज परमहंस आईएससी द्वारा छायांकन और नवीन नूली द्वारा संपादन के साथ, यह फिल्म एक सिनेमाई तमाशा बनने के लिए डिज़ाइन की गई है। 25 सितंबर, 2025 को दुनिया भर में रिलीज़ के लिए तैयार, ओजी निस्संदेह साल की सबसे ज़्यादा प्रचारित और बेसब्री से प्रतीक्षित भारतीय फिल्म है। फिल्म के हर अपडेट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, और सुवी सुवी के साथ, निर्माताओं ने एक बार फिर सही राग अलापा है, जिसमें संगीत के साथ द्रव्यमान का मिश्रण है।

ऑल अबाउट हर में न केवल सेलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे- सोहा अली खान

अभिनेत्री सोहा अली खान ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर शुरू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में हम एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आए हैं, जो अब तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है।

सोहा ने कहा, मैं मानती हूं कि आजकल पॉडकास्ट्स की संख्या बहुत बढ़ गई है और लोगों की दिलचस्पी भी इसमें बढ़ रही है। लेकिन जब मैंने रिसर्च की तो देखा कि न्यूज, फिक्शनल थ्रिलर्स, वेलनेस और पैरेंटिंग जैसे विषयों पर कई पॉडकास्ट हैं, मगर महिलाओं की वेलनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी गैप को भरने की कोशिश कर रही हूं।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सेलेब्रिटी होता है या कोई एक्सपर्ट। लेकिन उनके पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है। इसमें न केवल सेलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे।

सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सेलेब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता है। लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, तो बातचीत भी मजेदार होती है और सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं। यही इस पॉडकास्ट की खासियत है।

उम्मीद है कि यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक बनाएगा और उपयोगी जानकारी मुहैया कराने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, और सनी लियोन जैसे कई पॉपुलर चेहरे नजर आएंगे। साथ ही, किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु, और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी। अभिनेत्री का पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर 22 अगस्त से यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है।

फिल्म 120 बहादुर की हीरोइन बनीं राशि खन्ना

पिछले काफी समय से अभिनेता, निर्देशक और निर्माता फरहान अख्तर फिल्म 120 बहादुर को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म से जुड़ीं अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं इसके जरिए फरहान पर्दे पर धमाकेदार वापसी करने वाले हैं और अब खबर है कि इसमें अभिनेत्री राशि खन्ना को कास्ट कर लिया गया है। ये पहला मौका होगा, जब वह किसी फिल्म में फरहान के साथ नजर आएंगी। आइए जानें फिल्म से जुड़ीं क्या कुछ जानकारियां सामने आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, राशि को ये फिल्म पिछली फिल्मों में उनकी शानदार अदाकारी के बलबूते मिली है। पिछली बार विक्रांत मैसी अभिनीत द साबरमती रिपोर्ट में उन्होंने दिल जीत लिए थे। इससे पहले आई फिल्म योद्धा में भी राशि ने कमाल का काम किया था। निर्माताओं को पूरा यकीन है कि राशि एक देशभक्ति और दिल छू लेने वाली इस फिल्म की कहानी और अपने किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगी। राशि इस कहानी में और गहराई लेकर आएगी।

राशि इस फिल्म में फरहान की जोड़ीदार बनी हैं और वह इससे जुड़कर बेहद उत्साहित हैं, लेकिन उनकी भूमिका को लेकर कोई जानकारी बाहर नहीं आई है। पिछले दिनों सुनने में आया था कि रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित इस फिल्म में अपनी भूमिका की तैयारी के लिए फरहान ने खुद को पूरी तरह झोंक दिया है। इसमें वह देश के लिए बलिदान देने वाले मेजर शैतान सिंह की भूमिका में नजर आएंगे।

120 बहादुर उस बहादुरी की कहानी दिखाएगी, जब 120 भारतीय जवानों ने हजारों दुश्मनों का सामना करते हुए लद्दाख की रक्षा की थी। इस फिल्म की शूटिंग 14,000 फीट की ऊंचाई पर हुई, जहां तापमान अक्सर माइनस 5 से माइनस 10 डिग्री तक पहुंच जाता था। फरहान ने कहानी को जीवंत करने के लिए शारीरिक और मानसिक हर स्तर पर मेहनत की है। रजनीश घई के निर्देशन में बनी यह फिल्म 21 नवंबर, 2025 में सिनेमाघरों में आएगी।

राशि साउथ और हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं, वहीं ओटीटी पर भी सक्रिय हैं। फिल्म मद्रास कैफे से राशि ने बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आईं। इस फिल्म में अपनी सादगी और गंभीरता से उन्होंने अपनी जगह पक्की करने की कोशिश की। 34 साल की राशि को एक ओर जहां शाहिद कपूर के साथ वेब सीरीज फर्जी में देखा गया, वहीं रूद्र में वह अजय देवगन के साथ नजर आईं।

विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित

अजीत द्विवेदी

मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को पद से हटाने का प्रावधान करने के लिए लाए गए विधेयकों पर विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित है। विपक्ष के सारे नेताओं की एक ही चिंता है कि केंद्रीय एजेंसियां खास कर सीबीआई और ईडी विपक्षी पार्टी की सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं। उनका कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां मुकदमा करेंगी और मंत्री या मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेंगी। धन शोधन के कानून में जमानत के प्रावधान बहुत सख्त हैं इसलिए उनको ३० दिन तक जमानत नहीं मिलेगी और इस नाम पर उनको हटा दिया जाएगा।

आशंका यही पर खत्म नहीं होती है। यह भी कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तारी का डर दिखा कर उसको किसी काम के लिए मजबूर किया जा सकेगा। इतना ही नहीं यह आशंका भी जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और फिर उसकी पार्टी तोड़ कर सरकार गिरा दी जाएगी। ऐसा लग रहा है कि सरकार ने बिल बनाते समय इसके जितने मकसद नहीं सोचे होंगे उतने मकसद विपक्ष ने समझा दिए हैं।

अभी तक मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्री को पद से हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं था। विधायक और सांसद को हटाने का प्रावधान भी लिली थॉमस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश के बना। इसमें तय किया गया कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे ज्यादा की सजा हो जाती है तो वह विधायिका का सदस्य नहीं रह पाएगा और सजा की तारीख से उसके चुनाव लड़ने पर रोक लग जाएगी। आमतौर पर निचली अदालत से सजा होते ही विधायकों, सांसदों की सदस्यता समाप्त कर दी जाती है, जैसा कि राहुल गांधी के मामले में हुआ था।

बाद में अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक लगा दे तो सदस्यता बहाल हो जाती है। बहरहाल, अगर कोई व्यक्ति विधायक या सांसद होने के अयोग्य हो जाएगा तो वह स्वतः मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने के भी अयोग्य हो जाएगा। इस नियम से इतर अब सरकार संविधान संशोधन करके कानून बना रही है कि अगर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को किसी गंभीर अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और ३० दिन तक जमानत नहीं होती है तो 31वें दिन उसको पद से हटा दिया जाएगा।

अब सवाल है कि इसकी जरुरत क्यों पड़ी? इसकी जरुरत पड़ी अरविंद केजरीवाल की वजह से। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े केस में गिरफ्तार हुए और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। वे 156 दिन तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में रहे और मुख्यमंत्री बने रहे। उससे पहले उन्होंने हवाला मामले में गिरफ्तार अपनी सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को भी काफी समय तक मंत्री पद से नहीं हटाया था। ऐसे ही तमिलनाडु में एमके स्टालिन सरकार के मंत्री सेंथिल बालाजी गिरफ्तार होकर जेल चले गए लेकिन मंत्री बने रहे।

इससे पहले आमतौर पर मंत्री या मुख्यमंत्री गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा दे देते थे। पिछले ही साल जनवरी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने गिरफ्तारी से ठीक पहले इस्तीफा देकर चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवा दिया। लेकिन उसके दो महीने बाद मार्च में गिरफ्तार हुए अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा नहीं दिया। सो, अब तक जो काम नैतिकता और लोकलाज के आधार पर होते थे वह काम सुनिश्चित करने के लिए सरकार कानून ला रही है।

अब आएं विपक्ष की चिंता और आशंका पर तो उसकी एक आशंका का जवाब हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के मामले से मिल जाता है। हेमंत सोरेन ने इस्तीफा दिया और जेल गए तो अगले चुनाव में उनकी पार्टी ज्यादा बड़े बहुमत से सरकार में लौटी। दूसरी ओर केजरीवाल जेल गए और इस्तीफा नहीं दिया तो अगले चुनाव में वे खुद भी हारे और उनकी पार्टी भी हार कर सत्ता से बाहर हुई। दोनों की पार्टियों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई कहा था लेकिन झारखंड की जनता ने हेमंत की बात पर यकीन किया और दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल पर यकीन नहीं किया।

यह मामला कहीं न कहीं नैतिकता, परंपरा और लोकलाज से जुड़ा हुआ है। अतीत में भी देखें तो नेता नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देते थे और उनको राजनीतिक नुकसान नहीं होता था। लालू प्रसाद ने गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देकर अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। लालू प्रसाद के जेल जाने से न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी, बल्कि अगले चुनाव में फिर उनकी पार्टी जीत कर सत्ता में आई। ऐसे ही तमिलनाडु में जयललिता मुख्यमंत्री रहते दो बार गिरफ्तार हुईं। एक बार उन्होंने ओ पनीरसेल्वम को मुख्यमंत्री बनाया और दूसरी बार ई पलानीसामी को मुख्यमंत्री बनाया। दोनों बार न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी।

इसके उलट पार्टियों के टूटने या सरकार गिरने की पिछले १० साल की घटनाएं देखें तो अलग तस्वीर सामने आती है। कमलनाथ जैसा व्यक्ति मुख्यमंत्री पद पर बैठा रहा और कांग्रेस पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस के समर्थन से सरकार चला रहे एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री पद पर बैठे रहे और कांग्रेस टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से सरकार चला रहे उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहे और उनकी पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री गिरफ्तार होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी टूट जाएगी या सरकार गिर जाएगी और गिरफ्तार नहीं होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी नहीं टूटेगी, ऐसा मानना मूर्खतापूर्ण विचार है।

अब रही बात इस कानून के जरिए भारत को पुलिस स्टेट बनाने की तो यह चिंता भी बहुत सेलेक्टिव है। देश की आम जनता के लिए भारत पुलिस स्टेट ही है। पुलिस जहां चाहती है, जिसको चाहती है उसको पकड़ लेती है, उस पर लाठी डंडा चला देती है, झूठे मुकदमे में फंसा देती है। हां, माननीय लोगों को अब इसका डर लगने लगा है। तभी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अब एक कांस्टेबल के पास भी सरकार बदल देने की क्षमता होगी।

उनके कहने का मतलब है कि कांस्टेबल किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेगा और सरकार बदल जाएगी। अव्वल तो किसी मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी ऐसे नहीं होती है और दूसरे मुख्यमंत्री के गिरफ्तार हो जाने से उसकी सरकार नहीं गिर जाती है। सिंघवी खतरे को बढ़ा चढ़ा कर दिखा रहे हैं। ऊपर से वे न्यायपालिका को बिल्कुल शून्य मान कर चल रहे हैं। सोचें, खुद वकील हैं लेकिन मान रहे हैं कि कोई कांस्टेबल किसी मुख्यमंत्री को मनमाने तरीके से गिरफ्तार कर लेगा और अदालतें कुछ नहीं करेंगी!

अगर उनकी बात मान भी ली जाए कि केंद्रीय एजेंसियां किसी विपक्षी शासन वाले राज्य के मंत्री या मुख्यमंत्री को मनमाने तरीके से गिरफ्तार कर लेगी तो उसी तरह प्रदेश सरकार की एजेंसियां अपने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों को गिरफ्तार कर सकती हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और अगर कांग्रेस को लग रहा है कि उसके मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री को झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है तो कर्नाटक सरकार की एजेंसियां केंद्रीय मंत्रियों को ऐसे ही मुकदमों में फंसा सकती हैं। उनके ऊपर हत्या से लेकर बलात्कार और चोरी, डकैती या जमीन हड़पने के झूठे मुकदमे किए जा सकते हैं और गिरफ्तार करके जेल में डाला जा सकता है। ३० दिन तक जमानत न हो इसके भी इंतजाम किए जा सकते हैं। यह तो अराजकता की स्थिति होगी। पता नहीं कैसे विपक्ष ऐसी स्थिति की कल्पना कर लेता है?

अंत में राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं के साथ साथ अच्छे अच्छे पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि केंद्र की मोदी सरकार चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर टिकी है इसलिए उनको डराने के लिए यह कानून लाया जा रहा है। यह बिल्कुल बुद्धि विरोधी बात है। अव्वल तो चंद्रबाबू नायडू या किसी दूसरे मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए अलग से किसी कानून की जरुरत नहीं है। केंद्रीय एजेंसियां चाहें तो उनको गिरफ्तार कर सकती हैं। ध्यान रहे नायडू को जगन मोहन रेड्डी की सरकार ने भी गिरफ्तार किया था। दूसरे ऐसी बात कहने वालों को आंध्र प्रदेश विधानसभा का हिसाब नहीं मालूम है। 175 सदस्यों की आंध्र प्रदेश विधानसभा में नायडू की पार्टी टीडीपी के 135 विधायक हैं यानी बहुमत से 47 ज्यादा। बाकी सभी पार्टियों को मिला कर 40 विधायक हैं। कोई बुद्धि निरपेक्ष व्यक्ति ही यह सोच सकता है कि नायडू को गिरफ्तार कर लेंगे तो उनकी पार्टी टूट जाएगी और उनकी सरकार गिर जाएगी। उनको गिरफ्तार करेंगे तो उनका बेटा या परिवार का कोई सदस्य मुख्यमंत्री बन जाएगा और वे जेल से नायक बन कर लौटेंगे।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र.78

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 77 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

कानूनी समाधान की पहल

केंद्र सरकार अब ऐसे विधेयक ले आई है, जिनके कानून बनने के बाद गंभीर आपराधिक मामलों में जेल जाने की स्थिति में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्री और राज्यों के मंत्रियों को उनके पद से हटाने का प्रावधान हो जाएगा।

लोकसभा चुनाव से पहले दो मुख्यमंत्री पद पर रहते गिरफ्तार किए गए थे। उनमें से झारखंड के हेमंत सोरेन ने तो इस्तीफा देकर भारत की संवैधानिक व्यवस्था को नैतिक दुविधा से बचा लिया, लेकिन जब बारी अरविंद केजरीवाल की आई, तो उन्होंने भारत की राजनीतिक व्यवस्था में आ रही चरमराहट को उजागर कर देने की रणनीति अपनाई। केजरीवाल ने इस्तीफा नहीं दिया। तब यह अजीबोगरीब स्थिति बनी कि एक मुख्यमंत्री जेल में रहते हुए वहीं से सरकार चलाने का दावा कर रहा था। भारत में आज जो सियासी सूरत है, उसके बीच ऐसी विडंबनाओं की गुंजाइश लगातार बनी हुई है। नियम या कानूनों को जब अत्यधिक खींच दिया जाता है, तो मर्यादाओं का तार-तार होना स्वाभाविक परिणाम होता है।

अब केंद्र ने ऐसी परिस्थितियों के कानूनी समाधान की पहल की है। वह ऐसे विधेयक ले आया है, जिनके कानून बनने के बाद गंभीर आपराधिक मामलों में जेल जाने की स्थिति में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्री और राज्यों के मंत्रियों को उनके पद से हटाने का प्रावधान हो जाएगा। जेल गए पदाधिकारी की रिहाई के बाद उसे पद पर वापस लाने का प्रावधान भी किया जा रहा है। अगर आज यह धारणा होती कि संवैधानिक व्यवस्था सामान्य ढंग से काम कर रही है और कानून लागू करने वाली एजेंसियां निष्पक्षता से ठोस तथ्यों के आधार पर कदम उठाती हैं, तो प्रस्तावित नए कानून को एक स्वस्थ पहल माना जाता। लेकिन दुर्भाग्य से आज धारणाएं उसके उलट हैं।

प्रचलित धारणा यह है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां राजनेताओं के दल और उनकी राजनीतिक प्रतिबद्धता को देख कर उनके अपराध तय करती हैं। ऐसे में प्रस्तावित कानून पर विपक्षी खेमों में आशंका पैदा होना लाजिमी प्रतिक्रिया माना जाएगा। इस पर केंद्र ने विपक्ष से कोई संवाद नहीं किया है। इस कारण आशंकाओं की गुंजाइश और भी ज्यादा है। इसलिए उचित होगा कि ऐसा कानून लागू करने के पहले केंद्र उस पर सभी पक्षों को भरोसे में ले। इस बारे में आम सहमति बनाए जाने की जरूरत है। वरना, प्रस्तावित कानून को सत्ता के केंद्रीकरण के एक और प्रयास के रूप में देखा जाएगा। (आरएनएस)

ब्रेक के बाद यात्रा फिर शुरू

विशेष संवाददाता

देहरादून। मानसूनी आपदा के कारण 1 सितंबर को राज्य सरकार द्वारा स्थगित की गई चार धाम यात्रा को आज फिर से शुरू कर दिया गया है। लेकिन अभी श्रद्धालु चारों धामों की यात्रा नहीं कर सकेंगे वह सिर्फ बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम की यात्रा पर जा सकेंगे क्योंकि अभी गंगोत्री और यमुनोत्री धाम हाईवे भारी भूस्खलन और बारिश से प्रभावित हैं जिन्हें सुचारू नहीं किया जा सका है।

एक बार फिर यात्रा शुरू होने से उन यात्रियों ने राहत की सांस ली है जो देश के अन्य राज्यों से यात्रा पर आए थे लेकिन अचानक मानसूनी आपदा के कारण यात्रा को स्थगित कर दिया गया सैकड़ो की संख्या में यह यात्री हरिद्वार और ऋषिकेश में बीते कई दिनों से रोक दिए गए थे जो यात्रा शुरू करने का इंतजार कर रहे थे। आज सुबह जब रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हुई तो इन यात्रियों में उत्साह देखा गया। दोपहर तक ढाई से 300 के आसपास यात्रियों द्वारा आज अपना रजिस्ट्रेशन कराए जाने की खबर है।

❑केदारनाथ व बद्रीनाथ धाम ही जा सकेंगे श्रद्धालु
❑जिला अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश
❑चंद्र ग्रहण के कारण कल 1 बजे से कपाट बंद रहेंगे

उल्लेखनीय है कि राज्य में अभी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। बारिश का दौर तो जारी है ही साथ ही यात्रा मार्गों पर बने डेंजर जोन अभी भी खतरे के कारण बने हुए हैं। बात अगर बदरीनाथ हाईवे की ही की जाए तो यह अभी 3 से 4 जगह भूस्खलन के कारण बंद है जिसे खोलने का काम किया जा रहा है। वही केदारनाथ पैदल मार्ग पर लगातार बोल्डर और मलवा आने से दिक्कतें हो रही है। शासन द्वारा चमोली उत्तरकाशी व रुद्रप्रयाग सहित सभी जिला अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वह आपदा प्रबंधन की टीमों के साथ सतर्क रहें तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। वहीं गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे की स्थिति अत्यधिक खराब होने के कारण अभी इन धामों की यात्रा संभव नहीं है क्योंकि धराली तथा स्याना चट्टी में हालात सामान्य नहीं है। उधर मौसम विभाग द्वारा आज फिर 11 सितंबर तक राज्य में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। जिससे इस यात्रा में बाधा उत्पन्न हो सकती है। शासन प्रशासन द्वारा यात्रियों से भी अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की गई है। उधर चंद्र ग्रहण के कारण केदार व बद्रीनाथ धाम की कपाट कल दोपहर 1 बजे से बंद रहेंगे जो अगले दिन सुबह ही खोले जाएंगे।

मोबाइल लूट में मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। राह चलती युवती से मोबाइल लूटकर भागने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परशुराम चौक निवासी अन्जू ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी ननद छाया मोबाइल पर बात करते हुए घर की तरफ आ रही थी जब व जीवनी माई मार्ग पर पहुंची तभी पीछे से आ रहे युवक ने उसके हाथ पर झपटा मारकर मोबाइल लूट लिया और वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने धर्मावाला चौक के पास दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमता हुआ देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से एक किलो 605 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम चतर सिंह पुत्र रतिराम व मंजीत राणा पुत्र मोती सिह दोनों निवासी ग्राम मडगांव तहसील कुपवी जिला शिमला हिमाचल प्रदेश बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने आईडीपीएल गोल चक्कर के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 72 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम सुनील चौहान पुत्र लल्लन चौहान निवासी शिवाजी नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

साइबर ठगी में तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। साइबर ठगी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पीड़ित भी आरोपी है जबकि मास्टरमांइड की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती 28 अगस्त को सुरेन्द्र पुत्र सुमन निवासी शिवधाम कॉलोनी द्वारा कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया कि एक व्यक्ति द्वारा उनके फोन पर नोटिफिकेशन भेजकर फर्जी पीडीएफ डाउनलोड कर पटेल नगर थाना देहरादून में उनको सड़क दुर्घटना में मुकदमे में वारंट जारी होने का डर दिखाकर धोखाधड़ी से 30 हजार रूपये ट्रांसफर करवा लिये गये है। पुलिस ने जब होल्ड किए खाताधारकों से पूछताछ की तो पता चला कि उनके खाते में आई 5000-5000 की धनराशि उक्त खाताधारकों द्वारा नहीं निकाली गई बल्कि पीड़ित से फोन पर संपर्क कर पैसे वापस करने की वात की गई व खाते में पैसे आने की ऑनलाइन/ऑफलाइन शिकायत भी दर्ज कराई गई। जांच में सामने आया कि पीड़ित कृष्णकांत का अच्छा परिचित है व पीड़ित द्वारा जिनके खिलाफ आरोप लगाए हैं उनके साथ कृष्णकांत द्वारा धोखाधड़ी की गई थी। जिसमें उक्त व्यक्तियों द्वारा कृष्णकांत के खिलाफ विभिन्न थानों में धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज कराये गये थे। सुरेन्द्र से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया वह वर्ष 2022 में दुष्कर्म के मामले में सिडकुल थाने से जेल गया जहाँ उसकी मुलाकात कृष्णकांत के साथ हुई। कृष्णकांत ने ही जमानत कराने में सुरेन्द्र की मदद की थी।

कृष्णकांत ने सुरेन्द्र को बताया कि जुरेश, आरजू, शेखर, रविना, राजू योगेश व किशन महात्यागी ने उसके व उसके परिवार के खिलाफ धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज करवा रखे हैं मुझे इन सभी से बदला लेना है सभी को किसी फर्जी मामले में लपेटकर जेल भिजवाना है। कृष्णकांत ने सुरेंद्र को 5 लाख रुपए का लालच देकर अपने भाई डेविड व अपने साले राहुल के साथ मिलकर उपरोक्त व्यक्तियों को साइबर फ्रॉड के मामले में फंसा कर जेल भिजवाने का प्लान बनाया। जिसपर आरोपियों ने प्लान के तहत फर्जी वारंट तैयार कर सुरेन्द्र के खाते से उपरोक्त व्यक्तियों के खाते में 5000-5000 की धनराशि डाल कर उनके खिलाफ साइबर फ्रॉड का मुकदमा दर्ज कराया था। जिस पर पुलिस ने सुरेंद्र पुत्र सुमन निवासी सताव आशिक थाना गुरुबक्शगज जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश हाल निवासी शिवधाम कॉलोनी गली नंबर 2 सुभाष नगर कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार, डेविड पुत्र विनोद निवासी ग्राम नारसन खुर्द कोतवाली मंगलौर जिला हरिद्वार व राहुल पुत्र पवन निवासी ग्राम सुगरासा थाना पथरी जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

आयुक्त को बताई क्षेत्र की समस्याएं

पौड़ी (आरएनएस)। टीला के जिला पंचायत सदस्य ने आयुक्त गढ़वाल से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं बताई। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को जल्द हल करने की मांग उठाई। टीला के जिला पंचायत सदस्य डा. शिवचरण नौडियाल ने आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडेय से मुलाकात की। बताया कि खंड तल्ला से तीन किमी पूर्व स्थित राजकीय राज्य मार्ग पर लगातार भू धंसाव हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने थलीसैंण ब्लाक के कांडा गांव के नीचे भू-धंसाव व कांडा गदेरे से घंडियाली बरतोली मोटरमार्ग के सरेखण परिवर्तन की समस्या भी बताई। डॉ नौडियाल ने बताया कि इस भू-धंसाव के चलते सड़क की स्थिति बेहद खराब हो गई है, जिससे यातायात बाधित हो रहा है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने क्षेत्र में आपदा प्रभावित परिवारों को जल्द मुआवजा देने की मांग भी उठाई।

सुमेरपुर में मकान को खतरा

चमोली(आरएनएस)। गैरसैंण। गैरसैंण के सुमेरपुर गांव में बारिश के बाद मकान को खतरा बना हुआ है। भवन स्वामी सुरेन्द्र पाल सिंह रावत ने बताया कि गत दिनों बारिश के कारण उनके बरामदे की दीवार भारी बारिश के बाद ढह गयी है जिससे उनके भवन को खतरा हो गया है तथा मकान का बीम पर क्रेक्स उभर आये हैं। जिस कारण उनका परिवार दहशत में है। इस संबंध में उन्होंने स्थानीय राजस्व निरीक्षक से भी संपर्क किया लेकिन कोई भी स्थलीय निरीक्षण के लिए नहीं आया। सुरेन्द्र ने शासन प्रशासन से शीघ्र राहत की मांग की है।

24वीं अंतरजनपदीय/वहिनी पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता का समापन

❑हरिद्वार पुलिस के खाते में 2 गोल्ड सहित कुल 5 पदक

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। देहरादून पुलिस लाइन में आयोजित 24वीं अंतरजनपदीय/वहिनी पुलिस जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता 2025 का सकुशल समापन हो गया है। प्रतियोगिता में हरिद्वार पुलिस के खिलाड़ियों द्वारा अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 गोल्ड मेडल के साथ कुल 5 पदक जीते। जिसमें जूडो में रवि कुमार और वीरेंद्र ने स्वर्ण पदक, वुशू में रविकांत ने कांस्य पदक, ताईक्वांडो में सुनील ने कांस्य पदक व पेंचक सिलाट में रवि ने रजत पदक जीता।

प्रतियोगिता समाप्त होने पर मेडल के साथ हरिद्वार लौटे खिलाड़ी व कोच मुकेश नैनवाल व भूपेंद्र सिंह से एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल द्वारा अपने कैम्प कार्यालय में मुलाकात कर बधाई दी व भविष्य में होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दी। मेडल जीत कर लौटे तीन खिलाड़ी इस माह श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) में होने वाली अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

फर्जी डॉक्टर व कस्टम अफसर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। फर्जी डॉक्टर और कस्टम अफसर बनकर सोशल मीडिया के माध्यम से 50 लाख रूपये की ठगी को अंजाम देने वाले शातिर को एसटीएफ की साइबर क्राइम पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, नवनीत सिंह द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि साइबर ठगी का एक प्रकरण देहरादून निवासी एक व्यक्ति द्वारा दिसम्बर 2024 को साइबर थाना देहरादून में दर्ज कराया गया था। जिसमें पीड़ित को फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल से फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी गई। उसके बाद व्हाट्सएप चैट, कॉल और संदेशों के माध्यम से लगातार संपर्क किया गया। एक अज्ञात महिला ने भारत आने का झूठा बहाना बनाया और फिर " जाली कस्टम अधिकारी सरवन खान" तथा "झूठा बैंक अफसर डेविड जॉनसन" ने विभिन्न कारणों, कस्टम क्लियरेंस, बैगेज चार्ज, घरेलू उड़ान टिकट व विदेशी मुद्रा शुल्क का हवाला देकर पीड़ित से बड़ी धनराशि की मांग की। पीड़ित को व्हाट्सएप पर कोड, फर्जी फ्लाइट टिकट, नकली पासपोर्ट तथा बैंक संदेश भेजे गए और भावनात्मक दबाव बनाकर लगातार

●सोशल मीडिया के माध्यम से की थी 50 लाख की ठगी

पैसे ट्रांसफर करवाए गए। नवम्बर से दिसम्बर 2024 के बीच पीड़ित ने अलग-अलग बैंक खातों में कुल लगभग ष्50,01,218/- (पचास लाख एक हजार दो सौ अठारह रुपये) जमा किए। बाद में जब पीड़ित ने संदेह होने पर धनराशि वापस लेने का प्रयास किया, तो अंतरराष्ट्रीय नियमों और टैक्स का बहाना बनाकर रकम लौटाने से इंकार कर दिया गया। इस प्रकार, अंतरराष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबर, फर्जी पहचान और तकनीकी साधनों का प्रयोग कर सुनियोजित तरीके से साइबर ठगी को अंजाम दिया गया। मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों / व्हाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा कम्पनी से पत्राचार कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से प्रकाश मे आये आरोपी हिमांशु शिवहरे पुत्र मुकेश शिवहरे निवासी ग्राम जौरा, पो. जौरा, जिला मुरैना, मध्य प्रदेश के रूप में की गई जो फर्जी प्रोफाइल व अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों उपयोग कर करोडो की साइबर ठगी को अंजाम देने के लिए अलग-अलग नामों से प्रोफाइल व इंटरनेशनल नंबरों का इस्तेमाल किया जाता था इसी क्रम में आरोपी हिमांशु शिवहरे पुत्र मुकेश शिवहरे को रुचिरा पेपर मिल फैक्ट्री के पास, कालाआम्ब, हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया गया व साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन द्वारा न्यायालय में उपस्थित कराकर अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही विधिक प्रावधानों के तहत की गई है।

सड़क पर उत्पात करते 7 गिरफ्तार

●गोली चलने की झूठी सूचना पर महिला के खिलाफ भी वैधानिक कार्यवाही

हमारे संवाददाता

देहरादून। सावजनिक स्थान पर सरेआम उत्पात मचाने वाले सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं विवाद के दौरान गोली चलने की झूठी सूचना देने पर महिला के खिलाफ भी वैधानिक कार्यवाही की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात पिंकी नाम की महिला द्वारा कंट्रोल रूम में सूचना दी गयी कि ओगल भट्टा में दो पक्षो के विवाद में गोली चलाई गयी जिसमें उनका पुत्र घायल हो गया है। सूचना को गम्भीरता से लेते हुए पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर सूचना देने वाली महिला से जानकारी करने पर उसके द्वारा बताया गया कि पूर्व में दो पक्षो के मध्य किसी बात को लेकर आपस में विवाद हो गया था, जिस पर आज दोनो पक्षों द्वारा बैठकर बात करते हुए विवाद के समाधान करने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान एक पक्ष के व्यक्ति द्वारा उत्तेजित होते हुए दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति के साथ मारपीट शुरू कर दी गई, जिससे विवाद और अधिक बढ गया तथा दोनो ही पक्ष आपस में मार-पीट पर उतारू हो गए।

मौके पर पुलिस द्वारा दोनो पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया किन्तु दोनो ही पक्ष और अधिक आक्रमक होकर मारपीट पर उतारू हो गये, जिस पर पुलिस ने दोनो ही पक्षों के 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही आस-पास के लोगों से पूछताछ में विवाद के दौरान गोली चलने जैसी किसी भी घटना का होना प्रकाश में नहीं आया, जिस पर पुलिस को झूठी सूचना देने वाली महिला पिंकी के खिलाफ धारा- 81 पुलिस एक्ट के अन्तर्गत चालान किया गया है। गिरफ्तार लोगों के नाम करण पुत्र देवीदास, सन्दीप पुत्र देवीदास, रिंकु पुत्र छोटे लाल, जयप्रकाश पुत्र सन्नु, पवन पुत्र राजेश, अमन पुत्र राजेश व शिवा पुत्र बबलु निवासी ओगलभट्टा क्लेमनटाउन बताये जा रहे है।

1.47 करोड की साईबर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

हमारे संवददाता

देहरादून। सेवानिवृत्त कुलपति से 1.47 करोड़ रूपये की साइबर ठगी करने वाले दो लोगों को एसटीएफ की साइबर क्राइम पुलिस ने करोलबाग, दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों द्वारा 12 दिनों तक उन्हे घर पर व्हाटसप कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ नवनीत सिंह द्वारा बताया गया कि यह प्रकरण नैनीताल निवासी पीड़ित द्वारा माह अगस्त 2025 में दर्ज कराया गया। जिसमें बताया गया कि अगस्त 2025 में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा स्वयं को महाराष्ट्र साईबर क्राईम विभाग से बताते हुए उनके नाम पर खुले बैंक खाते में मनी लांड्रिंग के तहत 60 करोड रूपये के लेनदेन होने की बात कही गयी थी। जिसके लिये उनके खातों का वैरिफिकेशन कराये जाने हेतु व्हाटसप कॉल पर ही उनको "डिजिटली अरेस्ट" करते हुए 12 दिनों में विभिन्न खातों में कुल 1.47 करोड की धनराशि धोखाधडीपूर्वक जमा करायी गयी थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए साईबर क्राईम पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साईबर क्राईम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातों/ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों / व्हाट्सअप की जानकारी हेतु सम्बन्धित बैंकों, सर्विस प्रदाता कम्पनियों, मेटा कम्पनी से पत्राचाकर कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से जानकारी मे आया कि साईबर अपराधियो द्वारा घटना में पीड़ित को डिजिटली अरेस्ट कर विभिन्न बैंक खातों में धनराशि स्थानान्तरित करवायी गयी है। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से पुलिस द्वारा प्रकाश में आए बैंक खातों तथा मोबाइल नम्बरों का सत्यापन किया गया। जिस पर टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण कर दिल्ली के करोलबाग स्थित कृष्णा स्टे पीजी गेस्ट हाउस में दबिश दी गयी तथा घटना से सम्बन्धित 2 आरोपियों मौहम्मद सैफ पुत्र स्व. खलील अहमद निवासी राजाजीपुरम हन्नी अपार्टमेंट फ्लैट न. 104 बुद्धस्वर थाना दुबक्का लखनऊ, व शकील अंसारी पुत्र स्व. कलाम मोमीन निवासी ग्राम विशनपुर पोस्ट ग्वालखोमीकर थाना बराहरूबा जिला साहबगंज झारखण्ड को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके पास से 9 मोबाईल, 14 सिम कार्ड, 3 चैक बुक, ब्लैंक/हस्ताक्षरित चैक 7, 4 डेबिट कार्ड, 1 पासपोर्ट व 1 मोहर बरामद हुई है। मामले में एक आरोपी राजेन्द्र कुमार पुत्र सोमनाथ हाल पता फ्लैट न. 2 ब्लाक 15 लीली अपार्टमेंट अमरावती बददी जिला सोलन हिमाचल प्रदेश स्थायी पता ग्राम लक्खीबंस थाना रादौर जिला यमुनानगर हरियाणा को पूर्व में ही सोलन हिमांचल से गिरफ्तार किया जा चुका है।

मनीष निकला मोनिश

शादी डॉट कॉम पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर हिन्दू युवती से की शादी

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। शादी डाट काम पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर हिन्दू यूवती से शादी कर दहेज की मांग व धर्म परिवर्तन का दबाव डालने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पहले से ही शादीशुदा है जो मुस्लिम युवती से भी विवाह कर चुका है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने बताया कि थाना नानकमत्ता क्षेत्र की निवासी पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आरोपी युवक ने स्वयं को मनीष चौधरी पुत्र अमित चौधरी, हिन्दू जाति बताकर 11 दिसंबर 2024 को प्रेम पैलेस, नानकमत्ता में हिन्दू रीति-रिवाज से उससे विवाह किया था। बताया कि शादी के बाद कुछ समय तक सब सामान्य रहा, लेकिन धीरे-धीरे आरोपी और उसका परिवार उनसे 2 लाख नकद, एक कार और सोने के आभूषण की माँग करने लगे। जब उसने इस पर आपत्ति जताई तो उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की गई। आरोप है कि वह शाकाहारी है, लेकिन आरोपी और उसके परिजन उसे जबरन माँसाहार खिलाने का प्रयास करते थे। 21 फरवरी 2025 को पति, सास और दोनों ननदों ने मिलकर उसको बुरी तरह पीटा और घर से निकाल दिया।

बताया कि घर से निकाले जाने के बाद उसको पता चला कि उसका पति मनीष चौधरी दरअसल मोनिश पुत्र इरशाद अहमद भारती निवासी शास्त्री नगर, मेरठ (वर्तमान पता- गायत्री विला, जयनगर नं.04 थाना दिनेशपुर) है। आरोपी और

उसका परिवार मुस्लिम धर्म से संबंध रखते हैं। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी मोनिश पहले से ही एक

●दहेज माँगने व धर्म परिवर्तन का दबाव डालने वाला आरोपी गिरफ्तार, मोनिश पहले से ही एक मुस्लिम युवती से कर चुका है विवाह

मुस्लिम युवती से विवाह कर चुका है।

पुलिस ने दी गयी तहरीर पर थाना नानकमत्ता में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि उसके सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों में उसका असली नाम मोनिश पुत्र इरशाद अहमद ही दर्ज है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।